स्थानीय कश्मीरी शहतूत जीनप्रारूपों के फल

बोटाटुल

ब्रेंटुल कश्मीर

चट्टतुल

चट्टतुल ज़ंगिर

जंगबाद

केंअनुप्रएवंप्र पंपोर प्रकाशन

बुलेटिन नं : 07

प्रकाशन वर्ष: 2025

कॉपी राइट @ केंद्रीय रेशम बोर्ड

द्वारा प्रकाशित

निदेशक

केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
केंद्रीय रेशम बोर्ड
कपड़ा मंत्रालय - भारत सरकार
गलन्दर, पंपोर-192 121,
जम्मू-कश्मीर (केंद्र शासित प्रदेश)

ई-मेल : csrtipam.csb@nic.in;

वेबसाइट : www.csrtipam.co.in

फल देने वाले शहतूत जीनप्रारूप

बसनगौड़ा गोनल, दानिश्ता अजीज, प्लाबानी रॉय, एस. श्याम, शिवम भारद्वाज, जगदीश वर्मा, पवन सैनी, गुलाब खान रोहेला, गुलजार अहमद खान, मोहम्मद अमीन भट, राजिंदर कुमार, और सरदार सिंह

केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
केंद्रीय रेशम बोर्ड
गलन्दर, पंपोर-192 121, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर

भूमिका :

भारत में, शहतूत को आमतौर पर **"कल्प वृक्ष"** के रूप में जाना जाता है क्योंकि आयुर्वेद में इसका औषधीय महत्व है। शहतूत के विभिन्न भाग यानी पत्तियां, तना, छाल, अंकुर, जड़ और फल औषधीय गतिविधियों में महत्व रखते हैं। शहतूत का फल एचेन्स के संग्रह से बना एक सोरोसिस है। पका हुआ फल रसीला और रस से भरपूर होता है। फलों के रंग में भिन्नता सफेद, लाल, गुलाबी, बैंगनी, काले रंग की होती है। आमतौर पर सफेद शहतूत (*मोरस अल्बा*) और लाल शहतूत (*एम. रूब्रा*) के फल बहुत मीठे और मीठे होते हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण प्रजाति यानी काली शहतूत (*एम. नाइग्रा*) के फल बड़े और रसदार होते हैं और इनमें मिठास और तीखेपन का अच्छा संयोजन होता है। शहतूत का फल अत्यधिक स्वादिष्ट होता है और इसमें कई स्वास्थ्यवर्धक यौगिक होते हैं।मनुष्य द्वारा कच्चे रूप में खाया जाने वाला शहतूत में शर्करा, कार्बोहाइड्रेट, एल्कलॉइड, विटामिन, वसा, खनिज, अमीनो एसिड, कैरोटीनॉयड, फ्लेवोनोइड, एंटीऑक्सिडेंट, खनिज आयन आदि शामिल हैं।शहतूत के फलों का सेवन कोलेस्ट्रॉल, शुगर, एथेरोस्क्लेरोसिस, अल्जाइमर, पार्किंसंस, हृदय रोग, कैंसर और न्यूरोडीजेनेरेशन के खतरे को कम करने में सहायक है। शहतूत फलों की कटाई के बाद के उपयोग के दृष्टिकोण से, कई प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे जैम, जेली, जूस, स्क्वैश, सॉस, सिरका, बेल, केक, चाय, आदि। इन अनुप्रयोगों के अलावा, रेशों को रंगने के लिए शहतूत के फलों से प्राकृतिक डाई तैयार करना, पौधों पर आधारित औषधियाँ, खाद्य

शहतूत जन्नद्रव्य बैंक, केंअनुप्रएवंप्र पंपोर:

केंअनुप्रएवंप्र पंपोर के शहतूत जन्नद्रव्य बैंक में पांच प्रजातियों *एम. अल्बा, एम. इंडिका, एम. बॉम्बिसिस, एम. मल्टीकौलिस* और *एम. कायायामा* से संबंधित 82 जीनप्रारूपो (विदेशी: 40 और स्वदेशी: 42) का संग्रह है। फल देने वाले शहतूत जीनप्रारूपो का उल्लेख तालिका 1 और 2 में किया गया है।

तालिका 1: शहतूत जीनप्रारूपो के फल लक्षण

शहतूत जीनोटाइप	रंग	स्वाद	फलों का घनत्व
सी-4	काला	मीठा, रसदार	उच्च
पीपीआर-1	काला	उच्च शर्करायुक्त, रसदार	उच्च
एचपी लोकल	Pink	उच्च शर्करायुक्त, रसदार	उच्च
ओबोवेज	सफ़ेद	उच्च शर्करायुक्त, रसदार	मध्यम
अल्मोरा लोकल	काला	मीठा, रसदार	मध्यम
कनवा-2	काला	मीठा, रसदार	मध्यम
एस-146	काला	मध्यम शर्करायुक्त, रसदार	उच्च
एस-1708	गुलाबी	मीठा, रसदार	उच्च
टीआर-10	काला	मीठा, रसदार	मध्यम

तालिका 2: स्थानीय कश्मीरी शहतूत जीनप्रारूपो के फलों की विशेषताएं

शहतूत जीनोटाइप	रंग	स्वाद	फलों का घनत्व
ब्रेंटुल कश्मीर	काला	कम,शर्करायुक्त, गैर-रसदार	मध्यम
चट्टतुल	काला	गैर-रसदार	मध्यम
चट्टतुल ज़ैनगीर	सफ़ेद	गैर-रसदार	मध्यम
ज़गतुल	------	-------	फल न देनेवाला
ज़ंगबाद	बैंगनी	कम शर्करा	मध्यम
बोटाटुल	सफ़ेद	गैर-रसदार	उच्च

सी-4

एचपी लोकल

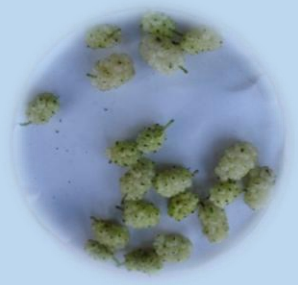

ओबोवेज़

टीआर-10